बलिदान दिवस रानी दुर्गावती का मनाया गया बलिदान दिवस , समाधि स्थल पर सीएम, मंत्री सहित जनप्रतिनिधियों ने टेका माथा

अदम्य साहस की मिसाल थीं वीरांगना रानी दुर्गावती : मुख्यमंत्री

नवभारत,जबलपुर। वीरांगना रानी दुर्गावती अदम्य साहस, अद्वितीय पराक्रम और साहस की मिसाल थीं। नारी शक्ति की मिसाल साक्षात जगदंबा भवानी का स्वरूप किसी में देखना हो तो वीरांगना रानी में समाहित था। मध्यप्रदेश की धरती पर लगभग 500 वर्ष पूर्व रानी दुर्गावती का जन्म हुआ, लेकिन आज पूरा देश और प्रदेश उन्हें आदर के साथ स्मरण करता है।

हमारा सौभाग्य है कि प्रदेश सरकार के गठन के बाद मंत्री परिषद् की पहली बैठक जबलपुर में रानी दुर्गावती को समर्पित कर आयोजित की गई थी। उनके आशीर्वाद से राज्य सरकार जनकल्याणकारी कार्यों के साथ आगे बढ़ी। इसके बाद दूसरी कैबिनेट बैठक रानी दुर्गावती की एक और राजधानी संग्रामपुर में आयोजित की गई। ये सारी बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीरांगना रानी दुर्गावती के 463वें बलिदान दिवस पर उनकी समाधि स्थल ग्राम नर्रई नाला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

कार्यक्रम की शुरूआत में ग्राम नर्रई नाला स्थित वीरांगना महारानी रानी दुर्गावती की समाधि स्थल पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके तथा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ रानी दुर्गावती की समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद वीर नारायण की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। और गौंड समाज के आराध्य देवता बड़ा देव का पूजन-अर्चन भी किया।

कविता की पंक्तियां गाकर वीरांगना को मंत्री ने किया नमन

कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके ने वीरांगना रानी दुर्गावती के संबंध में ओजपूर्ण कविता से अपने उद्बोधन की शुरूआत करते हुये अड़े खड़ी दीवार बने, सदैव से प्रेम की दीवानी, तूफानों से हार न मानी, मरकर हुई अमर रानी, मरकर हुई अमर रानी ये पंक्तियां पढ़ी। फिर वीरांगना महारानी रानी दुर्गावती के चरणों को नमन करते हुये कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, उत्थान, भाषा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस दौरान लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती का नाम लेते ही महाकौशल और मध्यप्रदेश के कण-कण में श्रद्धा का भाव जाग उठता है। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती केवल एक वीर योद्धा नहीं थीं, बल्कि जल प्रबंधन, कृषि व्यवस्था, आत्मसम्मान और मातृभूमि के प्रति समर्पण की अद्भुत प्रतिमूर्ति थीं। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कार्यक्रम में कहा कि रानी दुर्गावती का बलिदान स्वतंत्रता, संस्कृति, अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा का अमर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती ने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि सम्मान के साथ मृत्यु, अपमानजनक जीवन से कहीं श्रेष्ठ होती है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी , नीरज सिंह , संतोष वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज,जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन , संभागायुक्त धनंजय सिंह, डीआईजी अतुल सिंह, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हैलीपैड पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हुआ आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का ग्राम नर्रई नाला आगमन पर हैलीपैड में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव के साथ लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी पहुंचे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी , नीरज सिंह ,संतोष वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, भाजपा नगरअध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, पूर्व जिलाअध्यक्ष सुभाष रानू तिवारी सहित संभागायुक्त धनंजय सिंह, डीआईजी अतुल सिंह, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

रानी दुर्गावती के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा : महापौर

वीरांगना रानी दुर्गावती के 463वें बलिदान दिवस पर आयोजन

नवभारत, जबलपुर। वीरांगना रानी दुर्गावती के 463वें बलिदान दिवस पर नगर निगम ने मित्रसंघ, दुर्गावती स्मृति रक्षा अभियान और कार्पोरेशन एथलेटिक संघ के सहयोग से समाधि व प्रतिमा स्थल पर भव्य आयोजन किए। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी, पुलिस बैंड ने सलामी दी और बच्चों को शपथ दिलाई गई। महापौर ने समाधि स्थल से लेकर भंवरताल तक 'वीरांगना रानी दुर्गावती अमर रहे' के जयघोष लगाए। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती का बलिदान ही नहीं, बल्कि संस्कारधानी के निर्माण, जल प्रबंधन और कृषि व्यवस्था में उनका ऐतिहासिक योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और शौर्यगाथा की प्रस्तुति

इस दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह ने बताया कि सन् 1971 से चली आ रही यह परंपरा अब और विशाल व भव्य हो चुकी है। रानी दुर्गावती की कर्मभूमि पर जन्म लेना और काम करना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। बलिदान दिवस के अवसर पर नगर निगम द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कदम संस्था के कलाकारों ने कृष्णकांत दीक्षित के निर्देशन में रानी दुर्गावती के शौर्य पर नृत्यनाटिका पेश की, साथ ही गौड़ी व आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किए गए। निगमाध्यक्ष रिकुंज विज ने भी वीरांगना के पराक्रम पर प्रकाश डाला। महापौर ने मित्रसंघ व मिलन के सहयोग की सराहना करते हुए युवा पीढ़ी को संदेश दिया।

मैराथन के विजेता धावक हुए पुरस्कृत

इस अवसर पर आयोजित मिनी मैराथन के पुरुष व महिला वर्ग के 13-13 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसमें रामनी पटेल व साहिल साहू को प्रथम पुरस्कार के रूप में 21-21 हजार रुपये, नेहा लोधी व लविस कुमार को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 11-11 हजार रुपये और अंशिका लोधी व आदित्य राज को तृतीय पुरस्कार के रूप में 5-5 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही सांत्वना पुरस्कार के रूप में 2-2 हजार रुपये की राशि बालिकाओं में अनुश्री, लक्ष्मी बेन, अनुष्का बेन, अर्पिता बेन, शिवानी, सुमन भारती, मुस्कान पटेल, गरिमा नंदवानी, इशिका बेन, मायसरा अंसारी और बालक वर्ग में शुभम मिश्रा, राजेश केवट, नीलेश चौधरी, समीर मलिक, अश्विन दुबे, चिराग कोल, उज्जवल तिवारी, राजेश महतो, शनि सिंह नेगी, राज राजपूत को दी गई। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र पाण्डेय और आभार प्रदर्शन अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक, सांसद आशीष दुबे, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, प्रशांत केसरवानी, अश्वनी परांजपे, रत्नेश सोनकर, आत्मिका सिंह, रंजीत पटेल, सोनू बचवानी, सुधांशु गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

एक नजर में

वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर अजाक्स संघ ने दी पुष्पांजलि

नवभारत, जबलपुर। नारी शक्ति की प्रतीक वीरांगना रानी दुर्गावती के 462वें बलिदान दिवस पर मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) जिला जबलपुर द्वारा भंवर ताल स्थित प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अजाक्स संघ ने वीरांगना रानी दुर्गावती के त्याग और बलिदान को याद करते हुए उन्हें कोटि-कोटि नमन किया। इस अवसर पर अजाक्स जिला अध्यक्ष योगेश चौधरी ने बताया कि रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर शिक्षा, सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण के लिए संगठित होकर कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। संघ ने समस्त प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे रानी दुर्गावती के त्याग को याद रखते हुए सामाजिक समरसता, स्वाभिमान और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर आगे बढ़ें। इस दौरान अजय सोनकर, राजेन्द्र तेकाम, योगेश चौधरी, उदय राज सिंह, राकेश समुन्द्रे, नरेश कुलस्ते, सुभाष खण्डारे, अजय मरकाम, धर्मेंद्र कुकरेले, मुकेश मरकाम, पवन बावरिया, बालकृष्ण उईके, मूलचंद अहिरवार, रामकिशोर इडपाचे, के. के. गोंटिया और रामशंकर श्रृंगी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

रादुविवि में रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर पुष्पांजलि कार्यक्रम

नवभारत, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में 24 जून को वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के अवसर पर विधायक अशोक रोहाणी, कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा एवं कुलसचिव डॉ. रवि शंकर सोनवाल की उपस्थिति में उनकी प्रतिमा के सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। विधायक अशोक रोहाणी के नेतृत्व में सभी ने रानी दुर्गावती के वीरता के नारे लगाए और उन्होंने कहा कि हम सभी को रानी दुर्गावती के जीवन से सीख लेनी चाहिए और अपने जीवन में उनके चरित्र को उतारना चाहिए। इस अवसर पर दीपांकर बैनर्जी, विश्वि के प्रो. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अश्वनी जायसवाल, डॉ. शोभाराम मेहरा, डॉ. देवांशु गौतम, डॉ. देवीलता रावत, डॉ. अभय सिंह, डॉ. एस. पी. त्रिपाठी, रजनीश त्रिपाठी, मनीष पिल्लई, श्रीलाल बैगा, जिला प्रशासन से एसडीएम, स्थानीय जनप्रतिनिधि व एनएसएस स्वयंसेवकों में सुयश श्रीवास्तव, अमित शिवहरे, निखिल कुमार गुप्ता, मौसमी गौतम, कपिल राज, मेघा यादव, संजना विश्वकर्मा, ऐश्वर्या चक्रवर्ती, यशवर्धन सूर्यवंशी, खुशी सोनकर, पलक ठाकुर, कार्तिकेय मौर्य, साक्षी साहू आदि उपस्थित रहे।

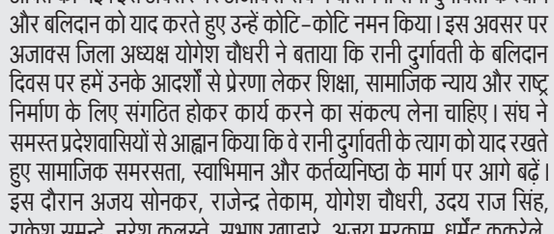

न्यायमूर्ति विजय शुक्ला को भावभीनी विदाई न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं ने दी शुभकामनाएं

नवभारत, जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, जबलपुर द्वारा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजय शुक्ला के सेवानिवृत्ति अवसर पर सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति विवेक रूसिया सहित उच्च न्यायालय के समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहे। समारोह का संचालन अधिवक्ता संघ के सचिव परितोष त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अमित जैन, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल खरे तथा डिप्टी एडवोकेट जनरल वी. डी. सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।इस दौरान वक्ताओं ने न्यायमूर्ति विजय शुक्ला के न्यायिक योगदान, उनकी कार्यशैली तथा न्यायपालिका के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष प्रशांत अवस्थी ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

वीर नारी सम्मान समारोह में शहीदों के परिवारों को किया नमन

नवभारत, जबलपुर। वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस के अवसर पर रानी दुर्गावती शोध संस्थान एवं अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में 24 जून को शाम 5 बजे शहीद स्मारक सभागृह गोल बाजार में वीर नारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल छत्तीसगढ़ एवं मणिपुर अनुसुइया उइके, विशिष्ट अतिथि सांसद आशीष दुबे, मेजर जनरल निश्चय रावत और कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. पवन स्थापक द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर हुआ। यह सम्मान उन वीर नारियों को प्रदान किया गया जिनके पति या पुत्र देश की रक्षा

के लिए सीमा पर शहीद हुए हैं।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए रानी दुर्गावती शोध संस्थान के अध्यक्ष डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि जबलपुर में ऐसी वीर नारियों की संख्या 12 है और पूरे महाकोशल में ऐसी 43 वीर नारियां हैं जिनके पति या पुत्र ने भारत माता के गौरव की रक्षा के लिए देश की सीमा पर अपने प्राणों का बलिदान किया है। वीरांगना रानी दुर्गावती ने भी मुगल काल में मातृभूमि की रक्षा के लिए लड़ते हुए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया था, अत: उनके बलिदान दिवस पर यह आयोजन काफी प्रासंगिक है।

वहीं इस मौके पर मुख्य अतिथि अनुसुइया उइके ने कहा कि रानी दुर्गावती का जीवन आज भी प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम में मेजर जनरल निश्चय रावत ने कहा कि पूर्व सैनिक परिषद् सैनिकों, उनके परिवारों और वीर नारियों के कल्याण व राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। वहीं प्रोफेसर ए. डी. एन. बाजपेई ने छंदों के माध्यम से वीरांगना के साहस, धैर्य और त्याग का वर्णन किया। कार्यक्रम का संचालन पीयूष जैन और आभार प्रदर्शन डॉ. अतुल दुबे ने किया। इस दौरान डॉ. विजय आनंद मरावी, विपिन बिहारी ब्योहार, अखिलेश जैन, ए. बी. श्रीवास्तव, आशीष मिश्रा, अनुपमा स्थापक, कर्नल निगम, बी. पी. तिवारी, राजेश तिवारी, डॉ. आयुष टंडन, वीर नारियों के परिजन व अन्य सैनिक परिवार भारी संख्या में उपस्थित रहे।

वर्षा के लिए आचार्यों ने किया वरुण पर्जन्य पूजन

नवभारत, जबलपुर। संस्कारधानी और पूरे देश में अच्छे मानसून और अमृत तुल्य वर्षा के लिए नगर पंडित सभा द्वारा सरस्वती कॉलोनी, चेरीताल स्थित दुर्गा मंदिर में वरुण पर्जन्य पूजन किया गया। आचार्यों के अनुसार भगवत आराधना से सुख, समृद्धि, खुशहाली आती है और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास व उन्नति के लिए वर्षा जरूरी है, क्योंकि जल बिना सब सूना रहता है। कार्यक्रम में श्रीनाथ, नवग्रह, गणपति, नर्मदा मैया का अभिषेक व षोषणोपचार पूजन कर अखंड ज्योति प्रज्वलित की गई। यह अनुष्ठान आचार्य वासुदेव शास्त्री, पं. रमेश दुबे, पं. अखिलेश, पं. संतोष शास्त्री, पं. अशोक पाण्डेय, पं. आशुतोष दीक्षित, पं. राजीव दुबे के आचार्यत्व और जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन और पार्षद प्रतिभा विध्येश भापकर के यजमानत्व में हुआ। इस दौरान नरेंद्र साहू, राजेश शर्मा, देवेन्द्र नेमा, प्रशांत गुप्ता, रघुराज सिंह ठाकुर, नवीन नेमा, महेंद्र सिंह रधुवंशी, बल्लू पटेल, सुनील ताम्रकार, आशु रजक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

वैश्य महासम्मेलन ने अस्पतालों में मरीजों को बांटे फल और खिचड़ी

नवभारत, जबलपुर। वैश्य महासम्मेलन के शिरोमणि अध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता के जन्मदिन के अवसर पर सेवा दिवस कार्यक्रम के तहत 24 जून को सुबह 10 बजे विक्टोरिया हॉस्पिटल में एवं 11 बजे मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में मरीजों को खिचड़ी, फल और बिस्किट वितरित किए गए। इस अवसर पर राजेश अग्रवाल, संजय साहू, ज्योति जैन, राम अग्रवाल, कृष्ण अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, सुनील ताम्रकार, जितेंद्र देव गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, अमित गुप्ता, राम गोहले, रामजी अग्रवाल, राजू अग्रवाल, शिशिर अग्रवाल, संदीप साहू, शंकर चौदहा, रुपेश अग्रवाल, गोविंद राय और संतोष गुप्ता उपस्थित रहे।

पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

गायत्री जयंती पर उमड़ा आस्था का सैलाब

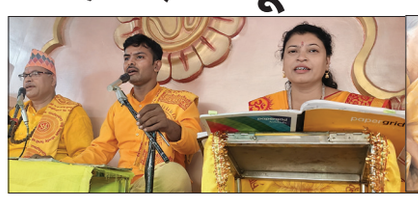

नवभारत,जबलपुर। गायत्री जयंती के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ, मनमोहन नगर में बुधवार को आयोजित पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ में श्रद्धा, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति देकर राष्ट्र की समृद्धि, विश्व शांति और प्रकृति संरक्षण की कामना की।

महायज्ञ के दौरान उपस्थित परिजनों को जल संरक्षण के लिए वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने, अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा सौर ऊर्जा के उपयोग को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प दिलाया गया। दो दिवसीय आयोजन में लगभग 500 श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक ऊर्जावान बनाया। इस अवसर पर परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के महाप्रयाण दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर दीक्षा, नामकरण, मुंडन, अन्नप्राशन और विद्यारंभ जैसे वैदिक संस्कार विधि-विधान से संपन्न कराए गए।

200 से अधिक साधकों ने लिया भाग

आयोजन के प्रथम दिन प्रात: से सायंकाल तक अखंड गायत्री मंत्र जप में 200 से अधिक साधकों ने भाग लिया। सायंकाल आयोजित संगीत संध्या में वॉइस ऑफ प्रज्ञा टीम ने प्रेरणाप्रद प्रज्ञा गीतों की प्रस्तुति दी, जिसमें विजय वर्मा, वंदना राजपूत, गोविंद श्रीवास्तव, ममता चौरे, हेमलता रैकवार एवं सौरभ शुक्ला ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। दीप महायज्ञ में सैकड़ों दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्र को सशक्त एवं समर्थ बनाने का सामूहिक संकल्प भी लिया गया। गायत्री जयंती के उपलक्ष्य में नगर की प्रज्ञापीठों—श्रीनाथ की तलैया, बिलपुरा, मझोली, सिहोरा, मगरमुहां और कुंडम में भी विविध आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का संचालन रमेश पटेल, ममता चौरे एवं नीलेश साहू की टोली ने किया।

मुहर्रम सातवीं तारीख को 200 के करीब सवारियों ने दी सलामी

शहादत की रात आज, मदार छल्ला में हाजिरी पेश करेंगी सवारियां

नवभारत,जबलपुर। मुहर्रम पर्व की शहादत (कत्ल) की रात आज पूरे शहर में अकीदत और एहतराम के साथ मनाई जाएगी। तारीख-ए-करबला के अनुसार नौवीं मुहर्रम शहीद-ए-आजम हज़रत इमाम हुसैन आली मुकाम की जाहिरी हयात की अंतिम रात थी, जबकि 10वीं मोहर्रम यौमे आशूरा के दिन उन्होंने अल्लाह की रज़ा के लिए शहादत का जाम पिया। शहादत की रात के मौके पर शहरभर में ताजिया और सवारियों के जुलूस निकलेंगे तथा विभिन्न स्थानों पर अकीदतमंद हाजिरी पेश करेंगे।

शहादत की रात सवारियां गश्त पर निकलकर मदार छल्ला पहुंचेंगी, जहां हाजिरी पेश की जाएगी। वहीं ताजियों को सिटी कोतवाली के सामने जियारत के लिए रखा जाएगा। मुहर्रम की 7वीं तारीख सफर की रात मदन महल

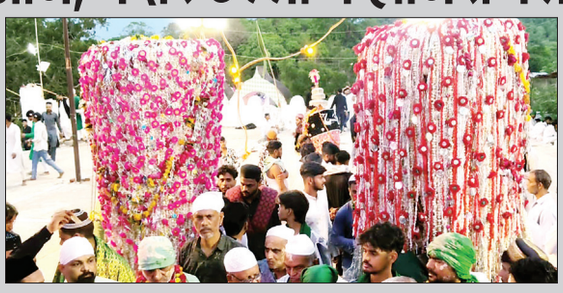

दरगाह में आयोजित सलामी समारोह में लगभग 200 सवारियों ने सलामी पेश की। सज्जादानशीन निजाम कादरी एवं खलीफा इनायत अली कादरी के अनुसार इस वर्ष बड़ी संख्या में सवारियां दरगाह पहुंचीं और सलामी पेश की।

उपनगरीय क्षेत्रों में विशेष आयोजन

सदर क्षेत्र में ताजिया और सवारी के जुलूस सदर बाजार की गलियों में गश्त के बाद शिवाजी ग्राउंड में एकत्रित होंगे। मुख्य रूप से गली नंबर-9 का पंचायती ताजिया, चांदी की सवारी एवं अफजल बाबा की सवारी शामिल होंगी। फातिहाखानी के उपरांत जुलूस घंटाघर स्थित हज़रत मशीन वाले बाबा की दरगाह के लिए रवाना होगा। गढ़ा क्षेत्र में शहादत की रात का आयोजन गढ़ा बाजार में किया जाएगा, जहां डॉ. सैयद मकबूल अली कादरी, सूफी निजाम बाबा, खलीफा मुमताज मंसूरी एवं दादा दरबार की सवारियां प्रमुख रूप से शामिल होंगी। गढ़ा बाजार में कौमी एकता मुर्तजा एकता कमेटी के मुईन उस्मानी द्वारा सवारियों एवं ताजियों का इस्तकबाल किया जाएगा।

चार खम्बा और मंडी मदार टेकरी में विशेष आयोजन

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र चार खम्बा में मदनी मिल्लत के सरपरस्त मतीन अंसारी के अनुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शहादत की रात सवारियों के मुजावरों का इस्तकबाल एवं लंगर वितरण किया जाएगा। चार खम्बा में समिति द्वारा कर्बला की झांकी कई दशकों से सजाई जा रही है, जो आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। समिति के अध्यक्ष मोहम्मद आसिफ इकबाल, उपाध्यक्ष कुतुबुद्दीन, सचिव मोहम्मद शोएब, गुड्डू बाबा एवं अफरोज सहित सभी पदाधिकारियों ने जायरीनों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

दशरथ के भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष बनने पर कुर्मी क्षत्रिय समाज ने दी बधाई

नवभारत, जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा (जबलपुर महानगर) के जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर दशरथ पटेल को जिला कुर्मी क्षत्रिय समाज द्वारा बधाई व शुभकामनाएं दी गईं। समाज के पदाधिकारियों ने इस नियुक्ति को गौरव का विषय बताते हुए कहा कि उनकी नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सक्रियता का लाभ पार्टी व समाज दोनों को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि दशरथ पटेल वर्तमान में जिला कुर्मी क्षत्रिय समाज में जिला सचिव का दायित्व भी संभाल रहे हैं। इस दौरान कुर्मी क्षत्रिय समाज के जिलाध्यक्ष कुर्मी इंजी. विवेक चौधरी एवं सदस्यों ने भरोसा जताया कि पटेल पिछड़ा वर्ग के हितों की

आवाज मजबूत करेंगे और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। जिला कुर्मी क्षत्रिय समाज ने दशरथ पटेल को नई जिम्मेदारी के लिए पुन: बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।